

खाटू धाम है जग में निराला श्याम भजन लिरिक्स



खाटू धाम है जग में निराला,
श्याम मेरा रहता है,
श्याम मेरा रहता है खाटू में,
हारे का साथी बाबा श्याम,
है शीश का दानी मेरा श्याम।

तर्ज - उड़े जब जब जुल्फें।

ऊँचे आसन श्याम विराजे,
ऊँचे आसन श्याम विराजे,
राज ये करता है,
राज ये करता है खाटू में,
हारे का साथी बाबा श्याम,
है शीश का दानी मेरा श्याम।

खुश हो के खजाना लुटाते,
खुश हो के खजाना लुटाते,
हुकुम इनका चलता है
हुकुम इनका चलता है खाटू में,
हारे का साथी बाबा श्याम,
है शीश का दानी मेरा श्याम।

होती सबकी मुरादें पूरी,
होती सबकी मुरादें पूरी,
जो विनती करता है,
जो विनती करता है खाटू में,
हारे का साथी बाबा श्याम,
है शीश का दानी मेरा श्याम।

फागण में खाटू चालो,
फागण में खाटू चालो,
की मेला लगता है,
की मेला लगता है खाटू में,
हारे का साथी बाबा श्याम,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



चलो ग्यारस की रात जगाए,
चलो ग्यारस की रात जगाए,
की अमृत बरसता है,
की अमृत बरसता है खाटू में,
हारे का साथी बाबा श्याम,
है शीश का दानी मेरा श्याम Ibd।

‘संजय’ ये गले से लगाते,
‘संजय’ ये गले से लगाते,
जो हार के आता है,
जो हार के आता है खाटू में,
Bhajan Diary Lyrics,
हारे का साथी बाबा श्याम,
है शीश का दानी मेरा श्याम Ibd।

खाटू धाम है जग में निराला,
श्याम मेरा रहता है,
श्याम मेरा रहता है खाटू में,
हारे का साथी बाबा श्याम,
है शीश का दानी मेरा श्याम Ibd।

Singer – Prakash Odeka